Homework

हंस और कछुआ

- हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से आप को क्या शिक्षा मिलती है? पाठ का सारांश अपने शब्दों में 80-100 शब्दों में लिखिए।

A- • हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से हमे यह शिक्षा मिलती है की हमें मुसिबत के समय सोच समझकर कार्य करना चाहिए। जैसा भी समय हो अपनी मित्रों की मदद करना चाहिए। अपनी मित्रों की बात माननी चाहिए। कभी भी गुस्सा नहि करना चाहिए। गुस्सा आने पर मौन रहना चाहिए। संकट के समय धैर्य रखना चाहिए। अन्य लोग क्या कहते है उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

पाठ का सारांश

मगध देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब में संकट और विकट नाम के दो हंस रहते थे उसका एक मित्र कछुआ तथा बहुत सारी मछलियाँ भी वहाँ रहती एक बार कुछ मछुआरों ने तालाब में मछलियों और कछुएँ को देखकर, अगले दिन उन पकड़ने की बात कही। संकट और विकट ने यह बात मछलीयों तथा कछुए को बता दी। कहा कछुआ घबरा गया, उसने हंसों से अपने बचाव के लिए कहा। कछुए को उड़ना नहीं आता था हंसों ने एक योजना बनाई की वे एक डंडे के सिरों को अपनी-अपनी चोंच में दबा लेंगे और कछुआ उसे लकड़ी को मुंह से बीच में पकड़ लेगा हंसों ने उसे बोलने के लिए मना किया था। जब वे एक गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे तो पतंग उड़ाते हुए बच्चों ने देखा। वे उनके पीछे भागने लगे कोई कहता की अगर कछुआ गिरेगा तो वह अपने घर ले जाएगा। कोई कुछ कहे कछुआ से सहा नही गया, जैसे ही गुस्से में वह बोलने लगा, वैसे ही नीचे गिरा और मर गया, सोच-विचार करके काम करना चाहिए नहीं तो कछुए जैसा हाल होगा।